

# दानिय्येल की पुस्तक - संख्या दो

पैगनवाद

Jeff Pippenger

2023-11-23

मैं यह दिखाने का इरादा रखता हूँ कि लैव्यव्यवस्था अध्याय 26 का "सात बार" दानिय्येल की पुस्तक में "आम दृष्टि में छिपा हुआ" है, साथ ही यह भी पहचानते हुए कि यह उन मानवीय साधनों के माध्यम से छिपाया गया था जिन्हें परमेश्वर ने दानिय्येल की पुस्तक में ठोकर का कारण बनने वाले "पत्थर" को प्रस्तुत करने के लिए उपयोग किया। इस प्रस्तुति के प्रकाश का अनुसरण करने के लिए "अखंडता" आवश्यक है। जिस "अखंडता" का मैं सुझाव दे रहा हूँ, उसका अर्थ है किसी के कर्मों, मूल्यों, तरीकों और सिद्धांतों में संगति। यह हमसे अपेक्षा करेगी कि हम परमेश्वर के वचन में प्रकट की गई बातों का पालन करें, चाहे वे उन मानवीय विचारों से सहमत न हों जो परमेश्वर के वचन का विरोध करते हैं।

अटूट सत्यनिष्ठा हर छात्र द्वारा संजोई जानी चाहिए। हर मन को परमेश्वर के प्रकट वचन की ओर श्रद्धापूर्ण ध्यान से मुड़ना चाहिए। जो इस प्रकार परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं, उन्हें प्रकाश और अनुग्रह दिया जाएगा। वे उसकी व्यवस्था में से अद्भुत बातें देखेंगे। महान सत्य, जो पेंटेकोस्ट के दिन से अनदेखे और उपेक्षित पड़े हैं, परमेश्वर के वचन से अपनी मूल शुद्धता में चमकने वाले हैं। जो सचमुच परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उनके लिए पवित्र आत्मा वे सत्य प्रकट करेगा जो मन से धुंधले पड़ गए हैं, और वे सत्य भी प्रकट करेगा जो बिल्कुल नए हैं। जो परमेश्वर के पुत्र की देह खाते और उसका लहू पीते हैं, वे दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तकों से पवित्र आत्मा से प्रेरित सत्य बाहर लाएँगे। वे ऐसी शक्तियों को क्रियाशील कर देंगे जिन्हें दबाया नहीं जा सकता। बच्चों के होंठ खुलेंगे ताकि वे भेद घोषित करें जो मनुष्यों के मन से छिपे रहे हैं। प्रभु ने इस संसार की मूर्ख बातों को ज्ञानियों को लज्जित करने के लिए, और संसार की दुर्बल बातों को बलवानों को लज्जित करने के लिए चुन लिया है। मसीही शिक्षा के मूलभूत सिद्धांत, 474।

दानिय्येल की पुस्तक में पाई जाने वाली मानवीय भूल और परमेश्वर के वचन का पालन करने की अनिच्छा—दोनों का एक सरल उदाहरण दानिय्येल अध्याय आठ में "दैनिक" के रूप में अनुवादित शब्द में मिलता है। ईमानदारी यह मांग करेगी कि यदि एलेन व्हाइट ने उस शब्द पर टिप्पणी की है, जैसा कि वे करती हैं, तो भविष्यद्वाणी की आत्मा को बनाए रखने का दावा करने वाले सातवें दिन के एडवेंटिस्ट होने के नाते, हम अपनी समझ को दिशा देने के लिए उस शब्द पर उनकी टिप्पणी का स्वतः उपयोग करें।

"तब मैंने 'Daily' के संबंध में देखा कि 'sacrifice' शब्द मनुष्य की बुद्धि से जोड़ा गया था और मूल पाठ का हिस्सा नहीं है; और यह कि प्रभु ने उसकी सही समझ उन लोगों को दी जिन्होंने न्याय के समय की पुकार दी। जब 1844 से पहले एकता विद्यमान थी, तो लगभग सभी 'Daily' की सही समझ पर एकमत थे; परन्तु 1844 के बाद, भ्रम के बीच अन्य विचारों को स्वीकार कर लिया गया है, और परिणामस्वरूप अंधकार और भ्रम छा गया है।" रिव्यू एंड हेराल्ड, 1 नवंबर, 1850.

हम इन दो वाक्यों पर काफी समय खर्च कर सकते हैं, क्योंकि जब इन्हें अंततः पुस्तक Early Writings में रखा गया, तो मानवीय संपादकों ने उसमें कही गई बात की एक भ्रमपूर्ण परिभाषा जोड़ दी, लेकिन वह अलग विषय है। हमारे उद्देश्य के लिए हम केवल दो प्रासंगिक बिंदु इंगित करना चाहते हैं। पहला बिंदु यह है कि सिस्टर व्हाइट कहती हैं: " 'sacrifice' शब्द मनुष्य की बुद्धि से जोड़ा गया था, और वह मूल पाठ का भाग नहीं है।"

तब मैंने एक पवित्र जन को बोलते हुए सुना, और एक दूसरे पवित्र जन ने उस पवित्र जन से, जो बोल रहा था, कहा, "दैनिक बलिदान और उजाड़ करने वाली अधर्मता के विषय में यह दर्शन कब तक रहेगा, कि पवित्रस्थान और सेना दोनों को पैरों तले रौंदे जाने के लिए सौंप दिया जाए?" दानिय्येल 8:13.

पिछला पद वह प्रश्न है जिसका उत्तर चौदहवाँ पद देता है, और वह उत्तर एडवेंटवाद के केंद्रीय स्तंभ और नींव का प्रतिनिधित्व करता है। और उसी प्रश्न में, जो उस महान प्रकाश को उत्पन्न करता है जिसे एडवेंटवाद के केंद्रीय स्तंभ के रूप में दर्शाया गया है, हमें बताया जाता है कि मानवीय बुद्धि ने उस पद के अनुवाद में एक अतिरिक्त शब्द जोड़कर त्रुटि की है।

1611 की KJV बाइबल के अनुवाद में सचमुच सैकड़ों जोड़े गए शब्द हैं, परंतु केवल एक ही बार परमेश्वर उन सैकड़ों जोड़े गए शब्दों में से किसी को त्रुटिपूर्ण ठहराता है। और यह स्पष्ट है कि वह त्रुटि उस मानवीय पक्ष से उत्पन्न हुई थी, जो मानवता और दिव्यता के उस संयोजन का हिस्सा था जिसने परमेश्वर का वचन प्रस्तुत किया। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यदि जोड़ा गया शब्द "sacrifice" उस पद की गलत समझ उत्पन्न न करता, तो उस पर किसी भी प्रेरित टीका की आवश्यकता ही न होती। यह स्पष्ट है कि वह ऐसा करता है, क्योंकि प्रेरित टीका न केवल यह बताती है कि वह शब्द वहाँ नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भी बताती है कि "those who gave the judgment hour cry," को प्रभु द्वारा "the correct view" of the "daily" दिया गया था। ईमानदारी की मांग है कि हम उन दो वाक्यों का उपयोग ठीक वैसे ही करें जैसे वे हैं।

जिन लोगों ने न्याय की घड़ी की पुकार दी, उन्होंने "the daily" को उसके संदर्भ के अनुसार मूर्तिपूजा या मूर्तिपूजक रोम का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रतीक के रूप में पहचाना। "daily" के रूप में अनूदित शब्द दानिय्येल की पुस्तक में 5 बार आता है। ये पाँचों बार संज्ञा के रूप में हैं। यह शब्द परमेश्वर के वचन में 104 बार आता है, और 99 बार इसका प्रयोग विशेषण के रूप में होता है, परन्तु केवल दानिय्येल की पुस्तक में यह संज्ञा के रूप में प्रयुक्त है। King James Bible का अनुवाद करने वाले लोगों ने उस शब्द को 99 बार विशेषण के रूप में देखा था; इसलिए जब बात दानिय्येल की पुस्तक की आई, तो उन्होंने इसे अन्य सभी बारों के अनुरूप विशेषण बनाने का प्रयास किया। ऐसा करने के लिए उन्होंने "sacrifice" शब्द जोड़ दिया। परन्तु परमेश्वर ने Ellen White के माध्यम से कहा कि "sacrifice" को हटा देना चाहिए, जिसका अर्थ है कि "the daily" को संज्ञा के रूप में समझा जाना चाहिए।

एडवेंटिज़्म के भीतर इस शब्द के संबंध में परमेश्वर की सलाह के विरोध में खड़े लोग उस शब्द को मसीह की स्वर्गीय पवित्रस्थान सेवकाई के प्रतीक के रूप में परिभाषित करते हैं, परंतु जिन्होंने न्याय की घड़ी का आह्वान दिया, उन्होंने इसे ठीक ही पैगनवाद के रूप में परिभाषित किया। आज का एडवेंटिज़्म मसीह का प्रतिनिधित्व करने के लिए शैतानी शक्ति के एक प्रतीक का उपयोग करता है!

त्रुटिपूर्ण मानवीय तर्क के माध्यम से, 'the daily' के रूप में अनूदित शब्द की सच्ची समझ एडवेंटिज़्म में छिपा दी गई है। वे एडवेंटिस्ट जो अपनी भविष्यवाणी-संबंधी अध्ययन को अपनी सब्ल स्कूल की त्रैमासिक पुस्तिकाओं में वर्षों के दौरान बेतरतीब ढंग से आने वाले विषयों पर आधारित करते हैं, आलस्यपूर्वक उन पुस्तिकाओं के माध्यम से परोसा गया कूल-एड पी लेते हैं, और उन्हें ऐसे पादरी पुष्ट करते हैं जिनमें स्वयं इतनी सत्यनिष्ठा नहीं है कि वे इस विषय पर सिस्टर वाइट की टिप्पणियों से किसी भी प्रकार का इनपुट स्वीकार करें।

'निरंतर' के विवाद का इतिहास लगभग 1911 के आसपास एक निर्णायक मोड़ पर पहुँचा, जब बहन वाइट ने प्रत्यक्ष रूप से कहा कि जिन्होंने 'निरंतर' के संबंध में अग्रदूतों की यह समझ—कि वह मूर्तिपूजा है—को अस्वीकार कर दिया था, और जो यह सिखा रहे थे कि 'निरंतर' मसीह की पवित्रस्थान सेवकाई का प्रतिनिधित्व करता है, उन्होंने अपनी समझ 'स्वर्ग से निष्कासित स्वर्गदूतों' से प्राप्त की थी (20 MR 17).

"नित्य" के सत्य को बहन वाइट ने स्पष्ट किया है, और वह सिखाती हैं कि "पवित्र स्वर्गदूतों" ने विलियम मिलर के मन का मार्गदर्शन किया और कि "स्वर्ग से निकाले गए स्वर्गदूत" उन लोगों के मनों का मार्गदर्शन करते हैं जो यह सिखाते हैं कि "नित्य" मसीह की स्वर्गीय पवित्रस्थान-सेवा का प्रतिनिधित्व करता है। "नित्य" का सत्य, जैसा कि उन लोगों द्वारा प्रस्तुत किया गया जिन्होंने न्याय की घड़ी का आह्वान दिया, विलियम मिलर द्वारा खोजा गया था।

"मैं आगे पढ़ता गया, और मुझे कोई और स्थान न मिला जहाँ यह ['दैनिक'] पाया गया हो, सिवाय दानिय्येल में। तब मैंने [एक शब्द-सूची की सहायता से] वे शब्द लिए जो इसके संबंध में थे, 'हटा देना;' वह 'दैनिक' को हटा देगा; 'जब से 'दैनिक' हटा लिया जाएगा,' आदि। मैं पढ़ता गया, और सोचा कि मुझे इस पाठ पर कोई प्रकाश नहीं मिलेगा; अंत में मैं 2 Thess. ii, 7, 8 पर पहुँचा। 'क्योंकि अधर्म का रहस्य तो अब भी कार्य कर रहा है; केवल जो अब रोकता है, वही रोकेंगा, जब तक कि वह मार्ग से हटाया न जाए, और तब वह दुष्ट प्रगट होगा,' आदि। और जब मैं उस पद पर पहुँचा, ओ, सत्य कितना स्पष्ट और गौरवशाली दिखाई दिया! यही तो है! यही 'दैनिक' है! अच्छा, अब, पौलुस 'जो अब रोकता है,' या बाधित करता है, से क्या मतलब रखते हैं? 'पाप के मनुष्य' और 'दुष्ट' से अभिप्राय पोप-प्रथा है। तो, वह क्या है जो पोप-प्रथा के प्रगट होने में बाधा देता है? क्यों, वह है पैगनवाद; तो फिर, 'दैनिक' का अर्थ पैगनवाद ही होना चाहिए।" Second Advent Manual, 66.

मिलर की उस खोज के बारे में वास्तव में चेताने वाली बात—कि 'the daily' मूर्तिपूजा का प्रतिनिधित्व करता है—यह है कि उसे सच्चाई कहाँ मिली। उसे यह सत्य प्रेरित पौलुस की रचनाओं के उस खंड में मिला, जहाँ पौलुस न केवल 'the daily' को मूर्तिपूजा के रूप में परिभाषित करता है, बल्कि वही खंड यह भी बताता है कि जिन्होंने सत्य से प्रेम नहीं किया, वे प्रबल भ्रम प्राप्त करते हैं। 'the daily' को मसीह की पवित्रस्थान-सेवकाई का प्रतीक मान लेना—यह परिभाषा उन स्वर्ग से निकाले गए स्वर्गदूतों से आई थी—एडवेंटिज़्म में उन लोगों का प्रतीक है जिनमें सत्य के वचन को ठीक रीति से विभाजित करने के लिए आवश्यक सत्यनिष्ठा नहीं है, और इसलिए वे पहले से ही प्रबल भ्रम प्राप्त करने के लिए नियत हैं।

मैं उस मुद्दे से भटकना नहीं चाहता जिसे हम पहचानने का प्रयास कर रहे हैं। वह मुद्दा यह है कि वही 'seven times', जिसकी पहचान उसी दर्शन में की गई है जिसमें 'the daily' का उल्लेख है, मनुष्यों ने छिपा दिया है, यद्यपि वह खुलेआम सामने मौजूद है। यह केवल एक सरल उदाहरण था कि कैसे सदियों पहले की गई एक मानवीय अनुवाद-त्रुटि—जिसका बाद में स्वर्ग से निकाले गए स्वर्गदूतों ने मनुष्यों के मन में हेरफेर किया—आज, दुनिया के अंत में आने वाले अंतिम संकट से ठीक पहले के इस निर्णायक समय में, लोगों के मनों को उस सत्य के प्रति अंधा करने के लिए, जो वास्तव में सबकी आँखों के सामने है, उपयोग में लाई जा रही है।

1910 के आसपास के समय में "the daily" के संबंध में विद्रोह बस शुरू ही हो रहा था; W. W. Prescott और A. G. Daniells "the daily" की बुनियादी समझ को अस्वीकार करने के शैतानी कार्य का नेतृत्व कर रहे थे। निम्नलिखित लेख उसी समय का एक पत्र है, जिसमें सिस्टर व्हाइट उस शैतानी दृष्टिकोण को संबोधित करती हैं कि दानिय्येल की पुस्तक में "the daily" मसीह के पवित्रस्थान के कार्य का प्रतिनिधित्व करता है। उस समय वे दोनों व्यक्ति पुराने अग्रदूतों की पुस्तकों में जाकर अग्रदूतों की समझ को अपनी नई शैतानी परिभाषा में बदलने का विचार आगे बढ़ा रहे थे। मेरी आशा है कि हम लेख पढ़ते समय ईमानदारी बरत सकें।

हमारे अनुभव के इस चरण में, हमारे मनों को हमारे सम्मेलन की महत्वपूर्ण सभा में विचार के लिए [हमें] दिया गया विशेष प्रकाश से हटाया नहीं जाना चाहिए। और वहाँ भाई डैनियल्स थे, जिनके मन पर शत्रु काम कर रहा था; और आपके मन और एल्डर प्रेस्कॉट के मन पर वे स्वर्गदूत काम कर रहे थे जिन्हें स्वर्ग से निष्कासित किया गया था। शैतान का कार्य था आपके मनों को भटका देना, ताकि ऐसे नुक्ते और बारीकियाँ बीच में लाई जाएँ जिन्हें लाने के लिए प्रभु ने आपको प्रेरित नहीं किया था। वे आवश्यक नहीं थे। परंतु यह सत्य के उद्देश्य के लिए बहुत मायने रखता था। और यदि आपके मन के विचार नुक्तों या बारीकियों की ओर खींचे जा सकते, तो यह शैतान की रची हुई योजना का काम है। आप यह मानते हैं कि लिखी हुई पुस्तकों में छोटी-छोटी बातों को सुधारना एक महान कार्य होगा। परंतु मुझे आदेश दिया गया है, 'मौन ही वाक्पटुता है।'

मुझे यह कहना है: अपनी नुक्ताचीनी बंद करो। यदि शैतान का यह उद्देश्य पूरा किया जा सके, तो आपको यह प्रतीत होता है कि आपकी कृति को अवधारणा की दृष्टि से अत्यंत अद्भुत माना जाएगा। शत्रु की योजना यह थी कि जिन विशेषताओं को तथाकथित आपत्तिजनक समझा जाता था, वे सब ऐसे बिंदुओं पर रखी जाएँ जिन पर हर वर्ग के लोग सहमत नहीं होते।

और फिर क्या? वही काम, जो शैतान को प्रसन्न करता है, पूरा हो जाएगा। जो हमारे विश्वास के नहीं हैं, ऐसे बाहरी लोगों को वही प्रस्तुति दी जाएगी जो उन्हें अनुकूल लगे, जो ऐसे चरित्र-गुण विकसित करेगी, जो भारी भ्रम पैदा करेंगे और उन सुनहरे क्षणों को घेर लेंगे जिन्हें लोगों के सामने महान संदेश उत्साहपूर्वक रखने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। जिन विषयों पर हमने काम किया है, उन पर दी गई प्रस्तुतियाँ सब एक-दूसरे से सामंजस्य नहीं बिठा सकेंगी, और परिणाम यह होगा कि विश्वासियों और अविश्वासियों दोनों के मन भ्रमित हो जाएँगे। यही वह बात है जिसकी योजना शैतान ने बनाई थी कि घटे—ऐसी कोई भी चीज़ जिसे मतभेद के रूप में बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा सके।

यहेजकेल का अध्याय 28 पढ़ो। अब, यहाँ एक महान कार्य है, जहाँ विचित्र आत्माएँ उभरकर सामने आ सकती हैं। परन्तु प्रभु का एक कार्य है, जिसे नाश हो रही आत्माओं को बचाने के लिए किया [जाना] है; और जिन जगहों को शैतान, भेष बदलकर, भर सकता था, हमारी पंक्तियों में भ्रम उत्पन्न करते हुए, वह उन्हें पूर्णता से करेगा, और वे सब छोटे-छोटे मतभेद बढ़कर बड़े और प्रमुख हो जाएंगे।

और मुझे आरम्भ से ही दिखाया गया था कि प्रभु ने न तो एल्डर डैनियल्स और न ही एल्डर प्रेस्कॉट को इस कार्य का भार दिया था। यदि शैतान की चालें भीतर लाई जाएँ, क्या यह "डेली" इतना बड़ा मामला हो कि इसे लाकर लोगों के मन को भ्रमित किया जाए और समय के इस महत्वपूर्ण काल में कार्य की उन्नति में बाधा डाली जाए? ऐसा नहीं होना चाहिए, चाहे कुछ भी हो। इस विषय को प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि जो आत्मा इसके साथ आएगी वह रोकनेवाली होगी, और लूसिफर हर एक गतिविधि पर नज़र रख रहा है। शैतानी शक्तियाँ अपना काम शुरू कर देंगी और हमारी पंक्तियों में भ्रम उत्पन्न कर दिया जाएगा। जो कसौटी का प्रश्न नहीं है, ऐसे मतभेदों को खोजने का तुम्हें कोई बुलावा नहीं; पर तुम्हारा मौन ही बहुत कुछ कह देता है। यह विषय मेरे सामने पूरी स्पष्टता से है। यदि शैतान, जैसा कि उसने करने का मन बनाया है, इन विषयों पर हमारे अपने किसी भी व्यक्ति को उलझा सके, तो शैतान का पक्ष विजयी हो जाएगा। अब कार्य को बिना विलंब हाथ में लिया जाना चाहिए और मत की कोई [भिन्नता] व्यक्त नहीं की जानी चाहिए।

शैतान उन लोगों को, जो हमसे अलग हो गए हैं, प्रेरित करेगा कि वे दुष्ट स्वर्गदूतों के साथ मिलकर महत्वहीन प्रश्नों पर हमारे काम को बाधित करें, और शत्रु के शिविर में कितना हर्ष [वहाँ] होगा। एकजुट हो जाओ, एकजुट हो जाओ। हर मतभेद को दफना दो। अब हमारा काम है कि हम अपनी समस्त शारीरिक और मस्तिष्क-तंत्रिका शक्ति इन मतभेदों को रास्ते से हटाने और सबको सामंजस्य में लाने में लगा दें। यदि शैतान को अपनी महान अपवित्र बुद्धि के साथ ज़रा-सी भी पकड़ बनाने की अनुमति मिल जाए, [वह आनंदित होगा]।

अब, जब मैंने देखा कि आप कैसे काम कर रहे थे, तो मेरे मन ने पूरी स्थिति और उसके परिणामों को समझ लिया कि यदि आप आगे बढ़ते और उन लोगों को, जो हमें छोड़ चुके हैं, हमारी पंक्तियों में भ्रम पैदा करने का थोड़ा भी अवसर दे देते, तो क्या होता। आपकी बुद्धि की कमी वैसी ही होती जैसी शैतान चाहता है। आपकी जोरदार घोषणा पवित्र आत्मा की प्रेरणा के अधीन नहीं थी। मुझे आपको यह कहने के लिए निर्देश दिया गया कि जिन पुरुषों को परमेश्वर ने मार्गदर्शन दिया है, उनकी रचनाओं में दोष निकालना परमेश्वर से प्रेरित नहीं है। और यदि यही वह बुद्धि है जो एल्डर डैनियल्स लोगों को देंगे, तो किसी भी दशा में उन्हें कोई आधिकारिक पद न दें, क्योंकि वे कारण से परिणाम तक तर्क नहीं कर सकते। इस विषय पर आपका मौन ही आपकी बुद्धिमानी है। अब, जो पुरुष जीवित नहीं हैं, उनके प्रकाशनों में दोष निकालना वह कार्य नहीं है जो परमेश्वर ने आप में से किसी को करने के लिए दिया है। क्योंकि यदि इन पुरुषों—एल्डर डैनियल्स और प्रेस्कॉट—ने नगरों में कार्य करने के लिए दिए गए निर्देशों का पालन किया होता, तो अनेक, बहुत ही अधिक, सत्य के विषय में आश्चर्य होकर परिवर्तित हो गए होते—वे समर्थ पुरुष जो [अब] ऐसे पदों पर हैं कि उन तक कभी पहुँचा नहीं जा सकेगा।

समस्त संसार को एक बड़े परिवार के रूप में देखा जाना चाहिए। और जब आपके पास ज्ञान का ऐसा स्रोत है, जिससे आप लाभ उठा सकते हैं, तो आपने हमारे प्रभु यीशु मसीह द्वारा दी गई गवाहियों के रहते हुए भी संसार को वर्षों तक नष्ट होने के लिए क्यों छोड़ दिया? सच्चा धर्म हमें यह सिखाता है कि हर पुरुष और हर स्त्री को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें, जिसके प्रति हम भलाई कर सकते हैं।

"यह कई वर्षों से प्रकाशित है: 'एक संतुलित मन', एल्डर एंड्रूज़ के लिए गवाही। मन को ऐसा विकसित किया जा सकता है कि वह यह जानने की शक्ति बन जाए कि कब बोलना है और कौन-से भार उठाने और वहन करने हैं, क्योंकि मसीह आपके शिक्षक हैं। और मुझे आपके लिए बहुत भय लगा [जब मैंने आपको देखा] कि आप अपनी बुद्धि का महिमामंडन कर रहे हैं और ऐसे मार्ग पर चल रहे हैं जो मतभेद उत्पन्न करता है। प्रभु ऐसे बुद्धिमान पुरुषों को बुलाते हैं जो उस समय अपनी चुप्पी साध सकें जब उनके लिए ऐसा करना [हो] बुद्धिमान हो। यदि आप एक संपूर्ण व्यक्ति होना चाहते हैं, तो आपको यीशु मसीह के द्वारा पवित्रीकरण की आवश्यकता है। अब एक काम अभी-अभी शुरू हुआ है, और हर सेवक में, हर [एक] सम्मेलन के अध्यक्ष में बुद्धि दिखाई दे। पर यहाँ एक ऐसा काम था, जिसे वर्षों पहले आपको संभालना चाहिए था, जहाँ इसी काम के लिए आपको अपनी आवाज़ उठानी थी। मसीह ने अपने सब लोगों को यह विशेष निर्देश दिए कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। और प्रभु की धार्मिकता को कार्यरूप में प्रकट करने के लिए हमारे पास थोड़ा समय शेष है। आप प्रभु का मार्ग समझ सकते हैं। जब आपको अध्यक्ष बनाया गया, तब मैंने आपका यह उद्देश्य देखा कि आप कार्यो को अपनी ही योजनाओं के अनुसार चलाएँगे। आपने सोचा था कि आप अद्भुत काम करेंगे, जो ऐसा काम था जिसे परमेश्वर ने आपके हाथों में नहीं दिया था। अब, यदि प्रभु ने आपको सेवा के लिए स्वीकार किया है, तो आपका काम अत्याचार करना नहीं, बल्कि जहाँ तक संभव हो हर अभाव को दूर करना है। परन्तु आपने बहुत आरंभ में ही यह प्रमाण दे दिया कि बुद्धि और पवित्रीकृत विवेक आप में प्रकट नहीं हुआ। आपने ऐसे विषय उठा दिए जो तब तक स्वीकार नहीं किए जाते जब तक प्रभु प्रकाश न दें।"

मुझे यह निर्देश दिया गया है कि ऐसी जल्दबाजी में की गई कार्यवाहियाँ, जैसे कि आपको सम्मेलन का अध्यक्ष एक और वर्ष के लिए चुनना, नहीं की जानी चाहिए थीं। परन्तु प्रभु ऐसी और कोई जल्दबाजी वाली कार्यवाहियाँ अनुमति नहीं देते, जब तक कि इस विषय को प्रार्थना में प्रभु के सामने न लाया जाए; और चूँकि आपको यह संदेश मिल चुका है कि अध्यक्ष पर न्यस्त प्रभु का कार्य अत्यंत गंभीर दायित्व है, इसलिए 'Daily' के विषय में जिस तरह आप भड़क उठे, वैसा करने और यह मान लेने का कि आपके प्रभाव से ही प्रश्न तय हो जाएगा, आपका कोई नैतिक अधिकार नहीं था। वहाँ एल्डर हैस्केल थे, जिन्होंने भारी जिम्मेदारियाँ उठाई हैं, और एल्डर इरविन हैं, और ऐसे कई पुरुष हैं जिनका मैं उल्लेख कर सकता हूँ, जिन पर भारी जिम्मेदारियाँ हैं।

वयोवृद्ध पुरुषों के प्रति आपका सम्मान कहाँ था? सभी उत्तरदायी पुरुषों को साथ लेकर विषय को तौलने के बिना आप कौन-सा अधिकार प्रयोग कर सकते थे? पर अब हम इस विषय की जाँच करें। अब हमें पुनर्विचार करना चाहिए कि उपेक्षित पड़े कार्य के मद्देनज़र, कार्य को एक और वर्ष तक आगे बढ़ाने के लिए अपना उत्साह दिखाना क्या प्रभु का निर्णय है। यदि आप, जो सहायता आपके साथ जुड़ने वाली है, उसके साथ यह कार्य एक और वर्ष आगे बढ़ाएँ, तो आप में और एल्डर प्रेस्कॉट में परिवर्तन होना चाहिए। और अपने हृदयों को परमेश्वर के सामने नम्र करें। प्रभु को आप में एक भिन्न अनुभव का प्रमाण दिखाई देना चाहिए, क्योंकि यदि कभी किसी को इस वर्तमान [समय] में पुनः परिवर्तित होने की आवश्यकता है, तो वह [हैं] एल्डर डैनियल्स और एल्डर प्रेस्कॉट।

सात ऐसे पुरुष चुने जाएँ जो बुद्धिमान हों और परमेश्वर के अनुग्रह के कार्य के द्वारा पुनः-परिवर्तन [का] प्रमाण [दें]। क्योंकि जो लोग इतने अंधे हो गए हैं कि वे कारण से परिणाम तक तर्क नहीं कर सकते, [कि] वे उन पुरुषों की भी अनदेखी कर दें जिन्होंने कार्य की जिम्मेदारियाँ उठाई हैं, और इन सम्मेलनों के अध्यक्षों की भी; [कि] उन पुरुषों को, [जो] दो वर्षों से अधिक समय तक यह कार्य संभाले हुए हैं, नज़रअंदाज़ कर दिया जाए; और ऐसा आवेगजनित परिणाम हो कि लोग उसी कार्य की उपेक्षा कर दें जो वर्षों से उनके सामने रखा गया है—शहरों में काम करना—और परामर्श के लिए बुजुर्ग पुरुषों को कोई, या बहुत ही थोड़ा, ध्यान [दिया] जाए, परन्तु वे वही बातें घोषित करें जो वे लोगों को देना चुनते हैं,—तो यह सब स्वयं इस बात की गवाही देता है कि ऐसे पुरुषों पर ऐसा महान और अद्भुत कार्य सौंपना सुरक्षित नहीं है।

मसीह मृत नहीं हैं। वह कभी यह अनुमति नहीं देंगे कि उनका कार्य इस विचित्र तरीके से आगे बढ़ाया जाए। पुस्तकों को यथावत रहने दें। यदि कोई परिवर्तन आवश्यक है, तो परमेश्वर उस परिवर्तन में भी सामंजस्य और सुसंगति सुनिश्चित करेंगे; परन्तु जब एक संदेश मनुष्यों को उससे जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों सहित सौंपा गया है, तो

[परमेश्वर] ऐसी विश्वासयोग्यता की माँग करते हैं जो प्रेम के द्वारा कार्य करे और आत्मा को शुद्ध करे। एल्डर Daniells और एल्डर Prescott, दोनों को पुनः परिवर्तन की आवश्यकता है। एक विचित्र कार्य चलन में आ गया है, और वह उस कार्य के साथ सामंजस्य में नहीं है जिसके लिए मसीह हमारे संसार में आए थे; और जो सचमुच परिवर्तित हैं, वे मसीह के कार्य करेंगे।

हम सब [को] वह कार्य पूरा करना है जो पिता की महिमा करेगा। हम संकट पर आ पहुँचे हैं—या तो इसी तैयारी के समय में यीशु मसीह के चरित्र के अनुरूप बनें, या फिर [उसका] प्रयास ही न करें। एल्डर डैनियल्स, [आपको नहीं] यह स्वतंत्रता महसूस करनी चाहिए कि आपकी आवाज़ उच्च स्वर में सुनी जाए, जैसा आपने समान परिस्थितियों में किया है। और यह समझ लें, किसी सम्मेलन का अध्यक्ष कोई शासक नहीं होता। वह उन बुद्धिमान पुरुषों के साथ मिलकर काम करता है जो अध्यक्ष के पद पर आसीन हैं और जिन्हें परमेश्वर ने स्वीकार किया है। उसे उन मुद्रित पुस्तकों की रचनाओं में दखल देने की स्वतंत्रता नहीं है जो उन कलमों से निकली हैं जिन्हें परमेश्वर ने स्वीकार किया है। अब उन्हें प्रभुत्व नहीं जमाना चाहिए, जब तक कि वे शासन करने, हावी होने वाली शक्ति को कम न दिखाएँ। संकट आ गया है, क्योंकि परमेश्वर का अनादर होगा।

“प्रभु अप्रयत्नित नगरों को किस दृष्टि से देखते हैं? मसीह स्वर्ग में हैं। अब उसकी यह स्वीकारोक्ति होनी है, ‘कोई राजसी शासन नहीं है। और अब इस संसार का संकट-काल है। अब मैं उद्धार करने या नाश करने की शक्ति हूँ। अब वह समय है जब सबका भाग्य मेरे हाथों में है। मैंने संसार को बचाने के लिए अपना जीवन दे दिया है। और ‘मैं, यदि ऊँचे पर उठाया जाऊँ,’ तो जो उद्धारकारी अनुग्रह मैं प्रदान करूँगा, वह सिद्ध करेगा कि जो कोई भी दैवी सदृश्यता के अनुसार गढ़ा जाएगा और मेरे साथ एक होगा, वह मेरे साथ मेरी उद्धारकारी अनुग्रह की शक्ति से वैसे ही कार्य करेगा जैसे मैं कार्य करता हूँ।’ जो कोई चाहे, [वह] अपने भाइयों के साथ मिलकर उस कार्य को करने के लिए दृढ़ता से लगे, जो उन्हें उन उत्तरदायित्वपूर्ण स्थानों में रहते हुए करना दिया गया है, जहाँ वे प्रभु की दी हुई सम्मति के अधीन हों, और अत्यन्त earnestता से यह प्रयत्न करें कि उसके साथ पूर्ण सामंजस्य में कार्य करें, जिसने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने संसार के उद्धार के लिए अपना जीवन पूर्ण बलिदान के रूप में दे दिया। मैं अपने सेवकों से कहता हूँ कि जब वे हमारे नगरों में कार्य में प्रविष्ट हों, तो वचन की सेवा के साथ एक शांत पवित्रता लगी रहे। यदि हम... लोगों के मनो पर उचित प्रभाव उत्पन्न नहीं कर सकते। [इस पृष्ठ का निचला तिहाई भाग रिक्त छोड़ा गया है।]”

मैं अपनी डायरी से उद्धरण दे रहा हूँ। यीशु में जैसा सत्य है—उसके बारे में बोलो, उसके लिए प्रार्थना करो, और उसके हर वचन पर सरलता से विश्वास करो। यदि गलतियाँ उन लोगों के सामने रखी जाएँ जिन्होंने विश्वास से भटककर बहकाने वाली आत्माओं की बातों पर ध्यान दिया है—वे लोग जो कुछ समय पहले तक हमारे साथ विश्वास में थे—तो आपको क्या लाभ होगा? क्या आप शैतान के पक्ष में खड़े होंगे? अपना ध्यान उन क्षेत्रों पर दो जिनमें अभी काम नहीं हुआ है। हमारे सामने एक विश्वव्यापी कार्य है। मुझे जॉन कैलॉग के संबंध में कुछ दृश्य दिखाए गए।

"एक अत्यंत आकर्षक व्यक्तित्व उसके प्रस्तुत किए जा रहे छलपूर्ण तर्कों के विचारों का प्रतिनिधित्व कर रहा था, ऐसे विचार जो वास्तविक बाइबिलीय सत्य से भिन्न थे। और जो लोग कुछ नया पाने के लिए भूखे-प्यासे थे, वे [इतने छलपूर्ण] विचार प्रचारित कर रहे थे कि एल्डर प्रेस्कॉट बड़े खतरे में थे। एल्डर डैनियल्स इस भ्रम में फँस जाने के बड़े खतरे में थे कि यदि ये विचार हर जगह व्यक्त किए जा सकें तो मानो एक नई दुनिया हो जाएगी."

हाँ, ऐसा होता, पर जब उनके मन इस प्रकार तल्लीन थे, मुझे दिखाया गया कि भाई डैनियल्स और भाई प्रेस्कॉट अपने अनुभव में ऐसे भाव बुन रहे थे जिनका आध्यात्मिक[तावादी] स्वरूप था और हमारे लोगों को सुंदर भावनाओं की ओर खींच रहे थे जो, संभव हो तो, चुने हुए लोगों को भी धोखा दे देतीं। मुझे अपनी कलम से [यह तथ्य] अंकित करना है कि इन भाइयों को अपने भ्रमपूर्ण विचारों में ऐसी खामियाँ दिखाई देंगी जो सत्य को अनिश्चितता में डाल देंगी; और [फिर भी] वे ऐसे प्रकट [होंगे] मानो उनके पास महान आध्यात्मिक विवेक [हो]। अब मुझे उन्हें [यह] कहना है कि जब मुझे यह विषय दिखाया गया, जब एल्डर डैनियल्स 'डेली' के संबंध में अपनी धारणाओं का समर्थन करते हुए तुरही के समान अपनी आवाज़ ऊँची कर रहे थे, तब उसके बाद के

परिणाम मुझे प्रस्तुत किए गए। हमारे लोग भ्रमित होते जा रहे थे। मैंने परिणाम देखा, और तब मुझे ये चेतावनियाँ दी गईं कि यदि एल्डर डैनियल्स परिणाम की परवाह किए बिना इसी प्रकार प्रभावित हों और स्वयं को यह मानने दें कि वे परमेश्वर की प्रेरणा के अधीन हैं, तो हमारी पंक्तियों में हर जगह संशयवाद बोया जाएगा, और हम ऐसी स्थिति में होंगे जहाँ शैतान अपने संदेश पहुँचाएगा। दृढ़ अविश्वास और संशयवाद मनुष्यों के मनों में बोए जाएँगे, और बुराई की विचित्र फसलें सत्य के स्थान पर उग आएँगी। —Ms 67, 1910, 1-8. मैन्यूस्क्रिप्ट रिलीज़, खंड 20, 17-22.

जिन्होंने न्याय की घड़ी की पुकार दी, उन्हें दानिय्येल की पुस्तक में "the daily" के बारे में सही दृष्टि दी गई थी। दानिय्येल की पुस्तक का अनुवाद करने वाले मनुष्यों के हाथों के माध्यम से, और उसके बाद स्वर्ग से निकाले गए स्वर्गदूतों द्वारा निर्देशित मनुष्यों के द्वारा, "the daily" की सही समझ स्पष्ट रूप से सामने होते हुए भी छिपा दी गई है। दानिय्येल की पुस्तक में जहाँ "the daily" के रूप में अनूदित शब्द आता है, वहाँ मनुष्यों द्वारा जोड़ा गया शब्द "sacrifice" शामिल नहीं किया जाना चाहिए। दानिय्येल अध्याय आठ के पद तेरह में हमें दानिय्येल की पुस्तक में इसके घटित होने के पाँच अवसरों में से एक मिलता है। उसी पद में, लैव्यव्यवस्था छब्बीस के "seven times" की भी पहचान की गई है, पर उसी प्रकार की मानवीय छेड़छाड़ द्वारा उसे भी सामने होते हुए छिपा दिया गया है।

हम इस तथ्य पर अगले लेख में नज़र डालेंगे।